卐 卐 ईजानाः स्वर्ग यन्ति लोकम्। (अथर्ववेद-१८-४-२) यज्ञ कर्ता उत्तम सुख को पाता है। 卐 卐

ऋग्वेद

यजुर्वेद

!! ओ३म् !!

॥ वेदोऽखिलोधर्ममूलम् ॥

(वेद समस्त धर्मों का मूल है।)

युगपुरुष महर्षि दयानन्द सरस्वती

आचार्य श्री आनन्द पुरुषार्थी जी

आर्य समाज

भीलवाड़ा

के तत्त्वावधान में

श्रद्धेय आचार्य श्री आनन्द पुरुषार्थी जी

अंतर्राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता होशंगाबाद (म.प्र.) तथा

भजनोपदेशक आचार्य श्री प्रदीप शास्त्री, फरीदाबाद (हरियाणा)

के पावन सानिध्य में

वेदकथा व सर्वमंगल यज्ञ

21 कुंडीय यजुर्वेद पारायण महायज्ञ

यदि आप जानना चाहते हैं:-

1. ईश्वर क्या है?
2. ईश्वर को कैसे प्राप्त करें?
3. परिवार में सुखशांति कैसे आये?
4. अपने बच्चों को संस्कारी कैसे करें?
5. धन-ऐश्वर्य का सच्चा सुख क्या है?

तो वेद कथा में अवश्य पधारें।

:: कार्यक्रम ::

दिनांक - 26 दिसम्बर से 28 दिसम्बर 2014
समय - प्रातः 8.30 से 11.00 बजे तक व
सायं 3.30 से 5.30 बजे तक
स्थान - आजाद चौक, भीलवाड़ा (राज.)

नोट : सर्वमंगल यज्ञ की पूर्णाहुति दिनांक 28 दिसम्बर 2014 रविवार को प्रातः कार्यक्रम समय में होगी।

यज्ञ में यजमान बनने हेतु सम्पर्क करें-

विजय शर्मा
प्रधान
आर्यसमाज, भीलवाड़ा
फोन : 01482-235213

अशोक टोडावाल
मंत्री
आर्य समाज, भीलवाड़ा
मो. 94137-83183

अंकुश आर्य
प्रधानाध्यापक
आर्यबाल मा. विद्यालय
मो. 98878-89707

:: आयोजक ::

रामकृष्ण छाता	**कैलाशचन्द्र छाता**	**प्रकाशचन्द्र छाता**	**डॉ.ललितकुमार छाता**
मो. 92522-72139	मो. 97838-23850	मो. 96027-58323	मो. 9829645071

निवेदक : आर्य समाज मंदिर, महर्षि दयानन्द मार्ग, भोपालगंज, भीलवाड़ा (राज.)
आर्यवीरदल तथा आर्य बाल विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय

सामवेद

अथर्ववेद

卐 卐 卐 इच्छन्ति देवाः सुन्वन्तम् (ऋग्वेद ८-२-१८) यज्ञकर्ता को देवगण भी चाहते हैं। 卐 卐 卐

卐 卐 卐 卐 स यज्ञेन वनवद् देव मर्तान्। (ऋग्वेद ५-३-५) यज्ञ कर्ता मनुष्य को देव बनाकर शक्ति युक्त कर देता है। 卐 卐 卐 卐 卐

卐 卐 卐 卐 卐 सुन्वानायेन्द्रो ददात्याभुवं रयिम्। (ऋग्वेद १-१३३-७) यज्ञकर्ता परोपकारी को प्रभु बार-बार धन देता है। 卐 卐 卐 卐 卐